तापमान

अधिकतम 39 .0 डिग्री से.
न्यूनतम 24 .5 डिग्री से.

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार 13 जुलाई 2026

11 भरत तिवारी और मनीषा को इंसाफ दिलाने का आह्वान

12 स्टेशन पर नए एफओबी की सौगात देने की तैयारी

खबर संक्षेप

मारपीट का आरोपी गिरफ्तार, रिमांड पर

सोनीपत। बहालगढ़ क्षेत्र में लकड़ी के बिट्टों से जानलेवा हमला करने के मामले में क्राइम यूनिट कुंडली ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गांव सबोली निवासी अमित के रूप में हुई है। अदालत में पेश करने के बाद उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस के अनुसार 31 मार्च 2026 को गांव खेवड़ा स्थित एक कार्यालय में कई युवक लकड़ी के बिट्टे लेकर पहुंचे थे। आरोपियों ने वहां मौजूद लोगों के साथ मारपीट की और कार्यालय व बाहर खड़ी गाड़ी में तोड़फोड़ की थी। शिकायत के आधार पर बहालगढ़ थाना में मामला दर्ज किया गया था। इस प्रकरण में पुलिस पहले ही छह आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। अब जांच के दौरान अमित की भूमिका सामने आने पर उसे भी गिरफ्तार किया गया है।

परचून की दुकान पर शराब बेचते पकड़ा

सोनीपत। सेक्टर-27 थाना पुलिस ने परचून की दुकान की आड़ में अवैध शराब बेचने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान शिव कॉलोनी निवासी सुरेंद्र के रूप में हुई है। उसे अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि देवडू रोड स्थित एक दुकान से अवैध शराब बेची जा रही है। छापेमारी के दौरान दुकान से 21 बोतल, 120 अध्धे और 333 पव्वे देशी शराब के अलावा रॉयल ग्रीन, रॉयल चैलेंज और रॉयल स्टैग ब्रांड की अंग्रेजी शराब बरामद हुई। इसके बाद आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

गोहाना का विकास प्लान 2041 तैयार
19 नए सेक्टरों से बदलेगी शहर की तस्वीर

3.23 लाख आबादी की जरूरतों को ध्यान में रखकर बना मास्टर प्लान

आवासीय, औद्योगिक व व्यावसायिक क्षेत्रों का तेजी से होगा विस्तार

स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, खेल, हरित क्षेत्र और जनसुविधाओं से लैस होंगे नए सेक्टर, डीटीपी ने तैयार किया लेआउट

रविंद्र ठाकुर ⏭ सोनीपत

नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग ने गोहाना के अंतिम विकास प्लान-2041 को मंजूरी देते हुए शहर के सुनियोजित विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। योजना के तहत 19 नए सेक्टर विकसित किए जाएंगे। जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) विभाग ने इन सेक्टरों का लेआउट तैयार कर लिया है। योजना का उद्देश्य वर्ष 2041 तक अनुमानित 3.23 लाख आबादी की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक और संतुलित शहरी विकास सुनिश्चित करना है।

2606 हेक्टेयर की योजना

कुल 2,606 हेक्टेयर क्षेत्र को विकास योजना में शामिल किया गया है। इसमें करीब 810 हेक्टेयर आवासीय, 220 हेक्टेयर औद्योगिक, 120 हेक्टेयर वाणिज्यिक, 355 हेक्टेयर परिवहन एवं संचार, 162 हेक्टेयर सार्वजनिक एवं संस्थागत गतिविधियों, 99 हेक्टेयर जन उपयोगिताओं तथा 322 हेक्टेयर हरित क्षेत्र एवं खुले स्थानों के लिए निर्धारित किए गए हैं। योजना के तहत नए सेक्टरों में आवासीय कॉलोनियां, औद्योगिक इकाइयां, व्यावसायिक केंद्र, सरकारी एवं निजी कार्यालय, अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, खेल परिसर, पुलिस स्टेशन, अदालत, पार्क, ग्रीन बेल्ट, जलापूर्ति एवं सीवरेज जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। निवेशकों और संस्थानों को लाइसेंस व सीएलयू के लिए आवेदन करने का अवसर भी मिलेगा।

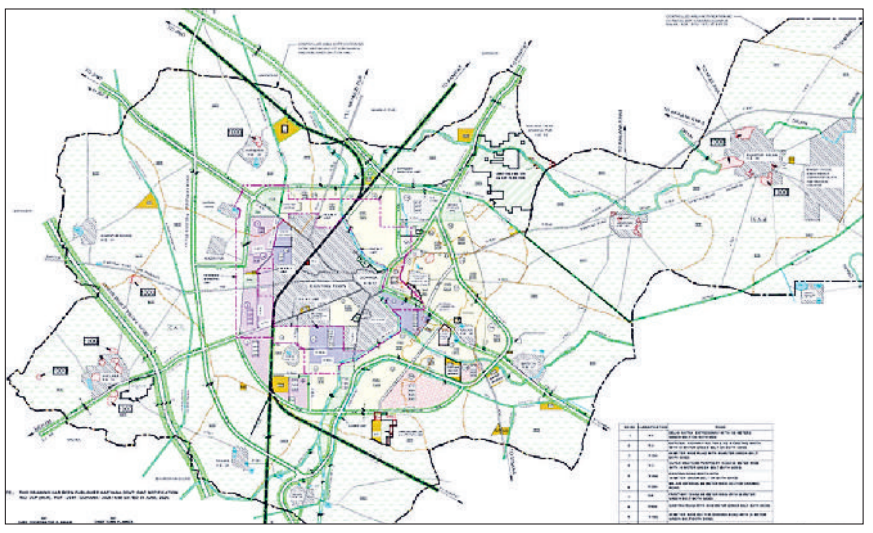

मुख्यालय से मंजूरी मिलते ही कार्य शुरू होगा

गोहाना क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए अंतिम विकास प्लान-2041 के रूप में प्रपोजल तैयार किया गया है। अगर योजना सिरे चढ़ती है, तो गोहाना शहर के सुनियोजित विकास को नई दिशा मिल सकेगी। फिलहाल प्लान में नए 19 सेक्टर विकसित करने की योजना है। जगह निर्धारित करने के साथ लेआउट को मंजूरी मिल चुकी है। बजट तैयार के बाद मुख्यालय से मंजूरी मिलते ही सेक्टरों को विकसित करने का काम शुरू करवाया जाएगा।
-अजमेर सिंह, जिला नगर योजनाकार

किस सेक्टर में क्या होगी व्यवस्था

- सेक्टर 1, 2 और 5 में औद्योगिक इकाइयां विकसित की जाएंगी
- सेक्टर 1बी, 1 और 11 को वाणिज्यिक (कमर्शियल) गतिविधियों के लिए विकसित किया जाएगा
- सेक्टर 9ए, 12ए और 15 में सरकारी एवं निजी कार्यालय स्थापित किए जाएंगे
- सेक्टर 17 और 17ए परिवहन एवं संचार सुविधाओं के लिए विकसित होंगे। यहां ग्रीन एरिया भी बनाया जाएगा
- सेक्टर 4, 6, 9, 12, 13, 13ए, 16, 18 और 19 को आवासीय (रिहायशी) क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा
- सेक्टर 16 में खेल स्टेडियम और खेल मैदान विकसित किए जाएंगे
- सभी सेक्टरों को जोड़ने और अलग-अलग करने के लिए 45 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जाएगी, जिसके दोनों ओर 30-30 मीटर चौड़ी ग्रीन बेल्ट विकसित की जाएगी

मिलेंगी ये प्रमुख सुविधाएं

- सिनेमा घर और वाणिज्यिक सभा स्थल
- परिवहन एवं संचार सुविधाएं
- रेलवे यार्ड, रेलवे स्टेशन और रेलवे साइडिंग, सड़क परिवहन डिपो व पार्किंग क्षेत्र
- पेयजल आपूर्ति के लिए जल शोधन संयंत्र
- ड्रेनेज और सीवरेज व्यवस्था, बिजली आपूर्ति के लिए पावर प्लांट और सब-स्टेशन
- सरकारी प्रशासनिक भवन, केंद्रीय कार्यालय और तहसील कार्यालय
- अदालत, जेल और पुलिस स्टेशन सहित अन्य मूलभूत सेवाएं लोगों को मिलेंगी।

27.46 किलो गांजे की खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार

सोनीपत। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर 27 किलो 460 ग्राम गांजा बरामद किया है। मामले में पानीपत के गांव हथवाला निवासी दीपक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही होंडा सिटी कार और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। उपनिरीक्षक तेजवीर के नेतृत्व में एसटीएफ टीम शनिवार-रविवार देर रात मुरथल के पास एनएच-44 पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दीपक दिल्ली से कार में गांजे की खेप लेकर पानीपत जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर वाहनों की जांच शुरू की। कुछ देर बाद संदिग्ध होंडा सिटी कार को रोककर तलाशी ली गई। एसीपी मुरथल ऋषिकांत की मौजूदगी में कार की तलाशी के दौरान पिछली सीट के नीचे बने गुप्त हिस्से से टेप से पैक 27 पैकेट बरामद हुए। जांच में इनमें गांजा मिला, जिसका कुल वजन 27 किलो 460 ग्राम निकला। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गांजे की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किसे पहुंचाया जाना था।

- होंडा सिटी कार से मिला नशा, दो मोबाइल फोन किए जब्त

चरस तस्करी मामले में दूसरा आरोपी रिमांड पर

उधर, क्राइम यूनिट कुंडली ने 17 मार्च को एक किलो से अधिक चरस बरामदगी के मामले में दूसरे आरोपी विक्की निवासी दीपालपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश कर छह दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

स्कूली खेल 20 जुलाई से, पहली बार वुशु स्क्वैश और मॉडर्न पेंटाथलॉन भी शामिल

33 खेलों में दिखेगा खिलाड़ियों का दम ब्लॉक व जिला स्तर पर होंगे मुकाबले

अधूरे दस्तावेज या आयु संबंधी फर्जीवाड़ा मिलने पर होगी कड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की ब्लॉक एवं जिला स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। प्रतियोगिताएं 20 जुलाई से 3 अगस्त तक आयोजित होंगी, जबकि जिलास्तरीय प्रतियोगिताओं के परिणाम 7 अगस्त तक निदेशालय को भेजे जाएंगे। इनमें राजकीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई और आरोही विद्यालयों के नियमित छात्र-छात्राएं भाग लेंगे।

प्रतियोगिताओं से पहले खिलाड़ियों के दस्तावेजों और आयु प्रमाण-पत्र का सत्यापन किया जाएगा। जन्म प्रमाण-पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण-पत्र, पिछली कक्षा की अंकतालिका सहित सभी आवश्यक दस्तावेज निर्धारित प्रारूप में जमा करना अनिवार्य होगा। अधूरे या गलत दस्तावेज मिलने पर खिलाड़ी अथवा पूरी टीम को प्रतियोगिता से बाहर किया जा सकता है। इस वर्ष प्रतियोगिताओं में पहली बार वुशु, मॉडर्न पेंटाथलॉन और स्क्वैश को शामिल किया गया है। अब कुल 33 खेलों में मुकाबले होंगे।

प्रतियोगिताओं का आयोजन अतिरिक्त उपायुक्त और जिला खेल अधिकारी की निगरानी में किया जाएगा। खिलाड़ी अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग में भाग लेंगे। प्रत्येक खिलाड़ी एक ही आयु वर्ग में हिस्सा ले सकेगा। एथलेटिक्स और तैराकी में अधिकतम तीन व्यक्तिगत स्पर्धाओं तथा दो रिले दौड़ों में भाग लेने की अनुमति होगी।

निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई खिलाड़ी दो विद्यालयों में नामांकित पाया गया या आयु एवं पहचान संबंधी फर्जीवाड़ा सामने आया, तो संबंधित खिलाड़ी, विद्यालय और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर टीम को दो वर्ष तक प्रतियोगिताओं से प्रतिबंधित भी किया जा सकता है।

ओलंपिक व गैर-ओलंपिक दोनों खेल शामिल

प्रतियोगिताओं में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, साइकिलिंग, तलवारबाजी, फुटबॉल, जिम्नास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, तैराकी, निशानेबाजी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, टेनिस, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन और कुश्ती सहित सभी प्रमुख ओलंपिक खेल शामिल रहेंगे। वहीं बेसबॉल, शतरंज, क्रिकेट, कबड्डी, कराटे, खो-खो, नेटबॉल, स्केटिंग, सॉफ्टबॉल और योगासन जैसी गैर-ओलंपिक खेल विधाओं में भी मुकाबले होंगे।

नाबालिग से मारपीट व करंट लगाने के मामले में दुकानदार गिरफ्तार

सेक्टर-15 में 10 वर्षीय बच्चे से अमानवीयता, दुकान में ले जाकर कंडेनसर से करंट लगाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सेक्टर-15 स्थित हाउसिंग बोर्ड मार्केट में 10 वर्षीय बालक के साथ कथित मारपीट और बिजली के कंडेनसर से करंट लगाने के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मुख्य आरोपी दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया है। सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज की। पीड़ित बच्चे की मां रुबी ने शिकायत में बताया कि वह दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करती हैं। 9 जुलाई को उन्हें सूचना मिली कि बिजली की दुकान संचालक संजीव और उसका बेटा उनके 10 वर्षीय बेटे के साथ मारपीट कर रहे हैं। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने दोनों को बच्चे के साथ मारपीट करते देखा। आरोप है कि बेटे को छुड़ाने का प्रयास करने पर उन्हें रोक दिया गया और बच्चे को दोबारा दुकान के भीतर ले जाकर बिजली के कंडेनसर से करंट लगाया गया। विरोध करने पर उन्हें भी धमकाया गया। महिला ने बताया कि 12 जुलाई को घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उन्होंने वीडियो की पेन ड्राइव पुलिस को सौंपकर शिकायत दर्ज कराई। उनका आरोप है कि घटना के बाद से आरोपी उन्हें लगातार जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं। पुलिस प्रवक्ता रविंद्र सिंह ने बताया कि शिकायत और वीडियो साक्ष्यों के आधार पर मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी संजीव को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में वीडियो फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वीडियो वायरल होने के बाद मां की शिकायत पर एफआईआर, पुलिस जुटी साक्ष्य खंगालने में

तीन लोगों से 3.21 लाख रुपये की साइबर ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत में साइबर ठगी के तीन अलग-अलग मामलों में जालसाजों ने तीन लोगों से कुल 3.21 लाख रुपये ठग लिए। किसी को सस्ते औद्योगिक उपकरण देने का झांसा दिया गया, किसी से क्रेडिट कार्ड के नाम पर बैंक संबंधी जानकारी हासिल कर रकम उड़ाई गई, जबकि एक अन्य मामले में मोबाइल हैक कर खाते से पैसे निकाल लिए गए। तीनों मामलों में साइबर थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उद्योगपति को चपत

पहले मामले में गांव चौहान जोशी निवासी उद्योगपति विनित को व्हाट्सएप पर खुद को ऑटोमेशन कंपनी का संचालक बताने वाले व्यक्ति ने कम कीमत पर औद्योगिक सामान उपलब्ध कराने का झांसा दिया। प्रोफार्मा इनवॉइस और जीएसटी नंबर भेजकर भरोसा जीतने के बाद आरोपी ने अलग-अलग किस्तों में 1,17,463 रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए।

रकम मिलने के बाद उसने संपर्क बंद कर दिया। दूसरे मामले में बहालगढ़ निवासी संजय को एक महिला ने निजी बैंक कर्मचारी बनकर फोन किया। क्रेडिट कार्ड भेजने के बहाने पता और ओटीपी लेने के बाद दूसरे व्यक्ति ने बैंक अधिकारी बनकर मोबाइल बैंकिंग की जानकारी हासिल की और खाते व क्रेडिट कार्ड से 1,01,937 रुपये निकाल लिए।

तीसरे मामले में गांव लिवान निवासी चंदन का मोबाइल कथित रूप से हैक कर लिया गया। इसके बाद यूपीआई के माध्यम से उनके खाते से 1,01,800 रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित ने तुरंत बैंक खाता ब्लॉक कराया और साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस तीनों मामलों की जांच कर रही है।

बोले- जनता ने जिस भरोसे से चुना, अब विकास और जनहित के लिए मिलकर करेंगे काम

शहर के विकास के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष एकजुट, पार्षदों ने बनाई कमेटी

22 वार्डों की समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर लड़ेंगे लड़ाई, विकास कार्यों को देंगे गति

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नगर निगम सोनीपत में शहर के विकास और वार्डों की समस्याओं के समाधान को लेकर सत्ता और विपक्ष के पार्षद एक मंच पर आ गए हैं। पार्षदों और उनके प्रतिनिधियों ने संयुक्त बैठक कर एक समन्वय कमेटी का गठन किया और संकल्प लिया कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर शहरहित के मुद्दों पर एकजुट होकर काम करेंगे। कमेटी का उद्देश्य 22 वार्डों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाना और विकास कार्यों को गति देना है। बैठक में वार्ड-21 से पार्षद प्रतिनिधि संजय बड़वासनी, वार्ड-16 से अनुराग जैन, वार्ड-19 से राजेश मलिक, वार्ड-5 से मुकेश सैनी, वार्ड-6 से मोनू, वार्ड-13 से महेश लूथरा, वार्ड-14 से राजेंद्र चंदन, वार्ड-15 से संजीव बलेचा और वार्ड-4 से त्रिभुवन कौशिक सहित कई पार्षद व प्रतिनिधि मौजूद रहे।

संकल्प लेते पार्षद

सभी 22 पार्षद मिलकर आवाज उठाएंगे

पार्षदों ने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें चुना है, उस भरोसे पर खरा उतरना उनकी जिम्मेदारी है। इसलिए सभी वार्डों की समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी वार्ड की समस्या केवल एक पार्षद की नहीं, बल्कि पूरे शहर की समस्या होगी और आवश्यकता पड़ने पर सभी 22 पार्षद मिलकर आवाज उठाएंगे। शहर को विकास के मामले में पीछे नहीं रहने दिया जाएगा, सभी एकजुट होकर काम करेंगे।

अगवानपुर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण फिर शुरू, लोगों को राहत की उम्मीद

गन्नौर। गांव अगवानपुर रेलवे फाटक पर निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का कार्य लंबे अंतराल के बाद फिर शुरू हो गया है। रेलवे विभाग की ओर से निर्माण कार्य दोबारा शुरू होने पर क्षेत्र के लोगों में परियोजना जल्द पूरी होने की उम्मीद जगी है। इससे पहले काम शुरू होने के बाद कई महीनों तक बंद रहा, जिससे परियोजना में लगातार देरी होती रही। रेलवे सीमा से बाहर ओवरब्रिज का निर्माण कार्य हरियाणा रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एचआरआईडीसी) पहले ही पूरा कर चुका है। अब रेलवे सीमा के भीतर का शेष कार्य रेलवे विभाग द्वारा किया जाना है, जो लंबे समय से रुका हुआ था। अब साइट पर मशीनें और श्रमिक पहुंचने के साथ निर्माण फिर से गति पकड़ने लगा है। ओवरब्रिज का निर्माण अधूरा होने के कारण लोगों को फिलहाल बीएसटी रोड से वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करना पड़ रहा है। इस मार्ग पर वाहनों का दबाव अधिक होने से अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे वाहन चालकों, किसानों, विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि ओवरब्रिज बनने से जाम की समस्या खत्म होगी और आसपास के गांवों के लोगों का आवागमन अधिक सुरक्षित व सुगम हो जाएगा।

- महीनों बाद दोबारा शुरू हुआ रेलवे क्षेत्र का काम, ओवरब्रिज बनने से जाम और लंबा इंतजार दोनों होंगे खत्म

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का धयान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।

- स्वामी विवेकानंद

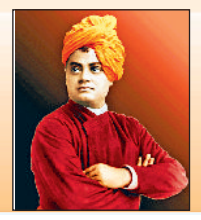

कहानी

आशमा कौल

धूप का टुकड़ा

सर्दियों के दिन गुज़र गए थे और गर्मियों ने अपना डेरा डाल लिया था। अब विमला चारपाई को नीम के पेड़ की छांव में लगा कर सुस्ताया करती। उम्र बढ़ रही थी और विमला कुछ दिनों से थका हुआ महसूस कर रही थी। एक दिन बिना किसी को तकलीफ दिए वह उसी धूप के टुकड़े की बाहों में ऐसी सोई कि फिर कभी उठी ही नहीं।

आज बहुत दिनों के बाद कंचन मायके आई है और आदतन सबसे पहले पीछे आंगन में गई है। वह चारपाई के उसी कोने पर आ कर बैठी है, जहां मां रोज़ दिन में बैठती थी।

सुबह की गई काजल, जब भी दिन में स्कूल से घर लौटती तो आते ही मां को खोजना शुरू कर देती और कहीं न दिखने पर वह हमेशा अपने पिछले दरवाजे से बाहर जाकर मां को चारपाई के कोने पर ही बैठा पाती । उसे मालूम है कि मां को यह जगह बहुत पसंद है, हो भी क्यों न, पूरे दिन की थकी मां यहीं आकर तो थोड़ा विश्राम करती है। विमला गर्मियों में नीम के पेड़ की ओट में अपनी चारपाई लगा लेती और सर्दियों में अपनी चारपाई को थोड़ा सा धूप की तरफ़ खिसका कर अपनी ठंडी देह को थोड़ा गर्माइश देने की कोशिश करती।

पूरे दिन में यह आधा-पौना घंटा सिर्फ उसका होता, जिसमें वह जो मन आता वह करती। सर्दी के दिनों में उस नियत समय पर चारपाई के कोने में चुपचाप बैठे हुए धूप के उस टुकड़े को विमला अपनी बाहों में भर लेती या शायद यूं भी कह सकते हैं कि धूप का वह टुकड़ा उसे अपनी बाहों में भर लेता, एक अन्तरंग सखा की तरह। काजल के आने तक वह धूप का टुकड़ा भी अलविदा कह कर चला जाता और विमला काजल के लिए गरम-गरम रोटियां सेंकने रसोई घर में चली जाती। मां-बेटी साथ बैठ कर दिन का भोजन करतीं और फिर काजल अपनी सहेलियों के साथ खेलने चली जाती। जब सूरज अपने घर जाने की तैयारी में होता, तब विमला शाम के भोजन की तैयारी में जुट जाती। बेटा सुधीर शाम को कॉलेज से घर आता और उसके कुछ देर बाद ही पति भी दफ्तर से आ जाते। रात के भोजन में ज्यादा काम रहता तो काजल भी रसोई के काम में मां का हाथ बंटाती। घर में पतिदेव भी कभी-कभी मज़ाक करते –

"दिन में जब कभी मैं घर आ जाऊं तो तुम्हारी मां को तो फुरसत ही नहीं होती, वह तो अपने सखा धूप के संग गल बहियां डाले मस्त हो जाती है''।

यह सुनकर सब हंसते और विमला भी चिरोरी करने से बाज़ न आती और कहती –

" आप चिढ़ते क्यों हो मेरे प्रेमी से, यह मेरा सच्चा हमदर्द है, आपकी तरह सिर्फ आदेश नहीं देता, बल्कि अपने प्यार से मुझमें ऊर्जा का संचार करता है। और तो और, उसने मुझसे वादा कर रखा है कि वह मुझसे दिन में एक बार मिलने तो ज़रूर आएगा"।

समय नदी की धार की तरह बहता रहा और सुधीर और काजल उस धार में डुबकियां लगाते बड़े हो गए और वह दिन भी आ गया जब सुधीर दूल्हा बना और अपनी दुल्हिन कंचन को धूमधाम से घर ले आया। कंचन के आने से घर खुशियों से भर गया और काजल को भी एक सहेली मिल गयी या यूं कहें कि बहन मिल गई। कंचन भी काम पर जाती थी, फिर भी सवेरे के समय में वह सासु मां का हाथ बंटाती और शाम को दफ्तर से आने के बाद भी खाने की मेज़ सजाने में मदद करती। लेकिन विमला के दिन का नियम नहीं बदला, सर्दी हो या गर्मी, धूप का टुकड़ा उनसे मिलने रोज़ ही आता और वह भी चारपाई पर बैठ उसे अपने आगोश में भर लेती। कभी कभी ऐसा भी होता कि बादल उस धूप के टुकड़े को लोरी सुनाकर अपने रेशमी आंचल में सुला देते, तब विमला बच्चों की तरह उदास हो जाती और आकाश में ऊपर देख कर बादलों से उसको रिहा करने की गुजारिश करती। अब तो उसकी बहू कंचन भी उसके इस गुप्त प्रेम से वाकिफ़ हो गई थी और उसे छेड़ती थी। सर्दी के छुट्टी वाले दिन तो अब मां के साथ-साथ बहू और बेटी भी उस धूप के टुकड़े की गर्माइश लेने चारपाई पर आ धमकती और उस मीठी-मीठी गर्माइश को अपने अंदर समेट लेतीं।

कभी-कभी विमला के पड़ोस की सहेलियां भी चारपाई पर अपने ऊन के गोले और सलाइयां लेकर बैठ जाती और फिर जमती उनकी गप्पों की महफिल। सर्दियों में चाय के कप टकराते और मूंगफली और गजक की दुकान लग जाती। लेकिन विमला को पसंद था चुपचाप उस धूप के टुकड़े से बतियाना। अपनी कितनी ही मन की बातें वह मन ही मन अपने उस खास मित्र से करती और न जाने कितने सवालों के जवाब भी उससे पा लेती और कभी आंखें बंद करके उसकी ऊर्जा को अपने अंदर उतारने की कोशिश करती। यह सब देख कर उसकी सहेलियों को उससे ईर्ष्या भी होती और उनमें से बड़बोली रमा बोल ही देती कि -

" विमला, हमे मालूम है तुम्हें हमारी कोई जरूरत नहीं है, तुम तो अपनी दुनिया में खोई रहती हो, हम तो बस तुम्हारी खैर खबर लेने आ जाते हैं। वैसे हमारी किस्मत तुम्हारे जितनी अच्छी भी नहीं है, हमारे आंगन में तो ये धूप दर्शन ही नहीं देती, इसलिए भी कभी-कभी आ जाते हैं"।

" ऐसी कोई बात नहीं, आप चाहो तो रोज़ आओ, धूप किसी की जागीर तो नहीं, इस पर तो सबका हक है। मैं तो अपने हिस्से की धूप ले ही लेती हूं, आपकी जब इच्छा हो आओ, चारपाई तो वहां बिछी ही रहती है" – विमला ने प्यार से कहा तो सभी सहेलियां खुश हो गई।

कंचन भी पढ़-लिख कर स्कूल में अध्यापिका बन गई और अब उसके ब्याह के लिए भी रिश्ते आने लगे। मां-पिता और भैय्या-भाभी सब उसके लिए अच्छा वर ढूंढने में लग गए। कभी लड़का-लड़की की जन्मपत्री न मिलती, कभी कद-काठी न मिलती तो कभी स्वभाव न मिल पाता। कंचन झुंझला कर कहती –" मां, मुझे परेशान न करो, मैं आपके पास बहुत खुश हूं" तो विमला का जवाब हमेशा यही होता– "जोड़ियां तो ऊपर आकाश में बनती हैं, तुम्हारे लिए जो बना है वह खुद ब खुद सामने आ जाएगा और तुम्हें ब्याह कर ले जाएगा"। बिल्कुल ऐसा ही हुआ, एक पारिवारिक समारोह में कंचन किसी के मन को भा गई और ईश्वर की कृपया से जन्मपत्री, कद-काठी और दोनों का स्वभाव भी मिल गया तो फिर क्या था। दोनों परिवार मिले और ब्याह की तारीख भी निश्चित हो गई। पूरा घर लाड़ली बिटिया के ब्याह की तयारियों में लग गया और वह खूबसूरत दिन भी आ गया, जब कंचन दुल्हन के जोड़े में धमक रही थी।

विमला, बेटी की बलैयां लेते न थकती और ईश्वर को प्रणाम करना न भूलती। बहुत धूम-धाम से विवाह सम्पन्न हुआ और कंचन अपने सुसराल चली गई। बहुत दिनों तक घर वाले कंचन के बिना उदास रहे और खास कर मां अपनी बेटी की याद में बार-बार आंसू बहाती। लेकिन वह बहुत खुश भी थी कि बिटिया को एक बहुत अच्छा ससुराल और सुयोग्य वर मिला है। विवाह की व्यस्तता में भी विमला कुछ पल अपने मित्र से मिल ही लेती और अब तो वह अपने नियत समय पर चारपाई के कोने पर बैठी मिलती। कुछ समय उपरांत बहू गर्भवती हुई तो विमला उसे भी थोड़ी देर धूप में बैठने के फायदे बताती और अब दो से भले तीन हो गए थे इस मित्रता के बंधन में और समय बीतते देर न लगी। विमला दादी की पदवी पर आ गई और अब तो उस नन्हे-मुन्ने के साथ धूप के हमझोली तीन से चार हो गए ।

दिन में विमला मुन्ने को लेकर चारपाई पर खेलती, मालिश करती और उस धूप के टुकड़े के आगोश में उसे सुलाती। अब मुन्ने का साम्राज्य हो गया था तो सहेलियां भी हाल-चाल पूछ कर आगे निकल जाती। कंचन बिटिया जब कभी दिन में ससुराल से मायके आती तो मां और मुन्ना से मिलने सीधा पीछे आंगन में आती और मुन्ना को अपनी गोद में लेकर, खुद मां की गोद में लेट जाती और अपने ससुराल और स्कूल की बातें बता कर दिल को हल्का करती ।

सर्दियों के दिन गुज़र गए थे और गर्मियों ने अपना डेरा डाल लिया था। अब विमला चारपाई को नीम के पेड़ की छांव में लगा कर सुस्ताया करती। उम्र बढ़ रही थी और विमला कुछ दिनों से थका हुआ महसूस कर रही थी। एक दिन बिना किसी को तकलीफ दिए वह उसी धूप के टुकड़े की बाहों में ऐसी सोई कि फिर कभी उठी ही नहीं।

छुट्टी का दिन था और सब घर में ही थे, हंगामा मच गया। डॉक्टर को बुलाया गया, लेकिन विमला तो बिना किसी को अलविदा कहे सूरज के पंखों पर बैठ कर अनजान दुनिया के लिए निकल गई थी।

आज विमला को देह त्यागे एक वर्ष हो गया है, लेकिन धूप का टुकड़ा उससे मिलने अभी भी रोज़ आता है और सबको विमला की याद दिलाता है। कंचन ससुराल में व्यस्त हो गयी है और अब मायके कम ही आ पाती है।

आज बहुत दिनों के बाद कंचन मायके आई है और आदतन सबसे पहले पीछे आंगन में गई है, शायद मां की यादें समेटने। वह चारपाई के उसी कोने पर आ कर बैठी है, जहां मां रोज़ दिन में बैठती थी। उसे महसूस हो रहा है, जैसे वह धूप का टुकड़ा नहीं, उसके मां की गरम हथेलियां हैं, जो उसे सहला रही हैं और उसे पता ही न चला कि वह कब नींद के आगोश में आ गई। घर में सब कंचन को ढूंढ रहे हैं कि वह कहां गई, किसी को पता ही न चला कि वह मां की तरह गुनगुनी और नर्म धूप की बाहों में सो रही है।

पुस्तक समीक्षा

भवन निर्माण संबंधी शास्त्र का भंडार है 'वास्तु विज्ञान'

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

वास्तुशास्त्र भारतीय ज्ञान परम्परा की एक महत्वपूर्ण विधा है, जो ब्रह्माण्ड और प्रकृति के मूलभूत सिद्धान्तों के साथ मानव निवास के सामंजस्य को समझाने का प्रयास करती है। पृथ्वी के वातावरण में ये ऊर्जाएं मुख्यतः उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम की दिशा में निरन्तर प्रवाहित होती रहती हैं। जब पृथ्वी पर किसी भवन या संरचना का निर्माण किया जाता है, तब इन ऊर्जाओं के प्राकृतिक प्रवाह में परिवर्तन अथवा अवरोध उत्पन्न होता है। यही ऊर्जाएं निर्मित भवन में भी प्रवेश करती हैं और भवन की दिशा, संरचना तथा आन्तरिक व्यवस्था के आधार पर उनके सन्तुलन का स्वरूप निर्धारित होता है।

प्राचीन आचार्यों द्वारा प्रतिपादित वास्तुशास्त्र इसी उद्देश्य की पूर्ति का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम माना गया है। इसी विषय पर आधारित सोमप्रकाश पांचाल की लिखी पुस्तक 'वास्तु विज्ञान' का प्रकाशन श्री अंगिरा शोध संस्थान द्वारा किया गया है। पुस्तक को कुल ग्यारह अध्यायों में विभाजित किया गया है। आधुनिक युग में भी वास्तु शास्त्र की क्या महत्ता है और इसे अपनाने के क्या लाभ हानि हो सकते हैं, इस बारे में पुस्तक में विस्तार से बताया गया है। लेखक ने अपनी बात को गहराई से समझाने के लिए पुस्तक में रेखा चित्रों का भी बखूबी इस्तेमाल किया है। मकान या भवन आदि के निर्माण के समय बरती जाने वाली वास्तु संबंधी तमाम जानकारियों से लबरेज यह पुस्तक वास्तव में वास्तु शास्त्र में विश्वास रखने वालों के लिए लाभदायक साबित होगी। क्लिष्ट शब्दावली इस्तेमाल में लाई गई है। हालांकि इसे आसानी से समझाने के लिए अंग्रेजी के शब्द भी साथ में दिए हैं। कई जगह संदर्भ के लिए संस्कृत के श्लोकों का भी वर्णन है। किन्तु विषय विशेष को देखते हुए इसे लेखन की आवश्यकता भी माना जा सकता है। वास्तु शास्त्र संबंधी लाभकारी बातों की शुचिता के लिए लेखक ने संदर्भित ग्रन्थों व अन्य सहायक सामग्री का भी विवरण दिया है। करीब सवा तीन सौ पृष्ठों में संकलित यह पुस्तक वास्तु विज्ञान में रुचि रखने वाले पाठकों और शोधार्थियों के लिए काफी लाभदायक रहेगी, ऐसा माना जा सकता है। कुल मिलाकर वास्तु विज्ञान को लेकर पाठकों का ज्ञानवर्धन करने का लेखक का यह प्रयास काफी सराहनीय रहा है।

कवि कॉर्नर

कविता | डॉ. जेके डागर

वाणी का महत्व

कटु वचनों से जिंदगी सदा जहर होगी।
मीठी वाणी बोलिये तो सुधा नहर होगी।

दुश्मन को सखा बना देगा जुबाँ का जादू,
काबू रखिये इसे खुशियों की लहर होगी।

सदा तोल मोल कर बोलोगे तो पाओगे,
हर शाम शांतिपूर्ण, मुस्काती सहर होगी।

शोले बरसाते रहे जोअगर सदा रसना से ,
अपने और अपनों को हरदम कहर होगी।

छान छान कर कहे डागर,जो शब्द रसीले
तेरी चर्चा हर गांव गांव और शहर होगी।।

कविता | मनीषा मंजरी

रिश्ता

खून का हो या कच्चे धागे का
रिश्ता तो आखिर रिश्ता ही है।

चमन का माली से, जीजा का साली से,
कीड़े का नाली से, दशहरे का दिवाली से।
रिश्ता तो .....

सजनी का साजन से, घर का आँगन से,
नाग का नागिन से, चोली का दामन से।
रिश्ता तो .....

मछली का पानी से,राजा का रानी से,
आकाश का तारों से, नदिया का किनारों से।
रिश्ता तो.....

राधा का श्याम से,रामायण का राम से,
घोड़े का लगाम से,मालिक का गुलाम से।
रिश्ता तो .....

कल का आज से, मूलधन का ब्याज से,
सब्जी का प्याज से, शाहजहाँ का मुमताज से।
रिश्ता तो .....

म्यान का तलवार से,सैनिक का हथियार से,
डॉक्टर का बीमार से,बनिए का बाजार से।
रिश्ता तो.....

शायर का कलम से, प्रियतमा का सनम से,
सच्चाई का धर्म से,और मृत्यु का जन्म से।
रिश्ता तो.....

नाविक का नाव से,और जूती का पाँव से,
पहलवान का दाव से,सुधीर का कौल गाँव से।
रिश्ता तो आखिर रिश्ता ही है।

शोक सभा में ब्रांडेड कपड़े और चश्मा

बचपन | आसिम अनमोल

एक ज़माना था शोक की खबर प्रत्येक मानव जाति के हृदय पर ग़मों की बौछार कर देती थी। आज के समय में इंसान मर रहा होता है तो उस पर दृष्टि डालना तो दूर खुद जीने के प्रयास में बड़े परिश्रम से लगा रहता है। पहले के लोग शोक सभा में जाने से पहले दहाड़े मार-मारकर पूरी सामाजिकता निभाते हुए रो-रोकर और आंखें फोड़ लिया करते थे। आज उन्ही आंखों को गुलाब जल से धोकर पहले स्वस्थ किया जाता है। फिर नैनों में काजल भरकर रील बनाकर वायरल किया जाता है।

पहले के लोग वस्त्र जो पहने होते थे, उसी अवस्था में शोक की ख़बर सुनकर फाइव जी स्पीड से भाग खड़े होते थे। मनुष्य आज ख़बर सुनने के बजाय टी.बी. पर चल रही वेब सीरीज़ देखना ज्यादा पसंद कर रहा है। शोक ख़बर सुनने के उपरांत इतना आधुनिक हो जाता है इंसान कि पत्नी से यह कहने की चेष्टा तक कर डालता है कि सेफ़ से अच्छा सा सूट निकाल देना। संसार से जाने वाला भी बहुत शौक़ीन था कपड़े पहनने का। शोक का माहौल है तो क्या हुआ। साफ़- साफ़ ब्रांडेड कपड़े

पहनकर जाने से मरने वाले की आत्मा को शान्ति तो मिलेगी। स्टेटस भी बना रहेगा। शोक का माहौल अब इंसान के मूड पर परिवर्तित हो गया है। अब शोक की ख़बर जैसे ही इंसान के कानों तक पहुंचती है, चेहरों पर वो भाव ही नज़र नहीं आते जिन चेहरों पर उदासीनता की मोहर छप जाती थी। अब शोक की ख़बर तक को फ़ोन पर ही निपटा दिया जाता है। शोक में आने वाला भी अर्थी उठने से पांच मिनट पहले आकर इतिश्री कर लेता है। पुरुष तो पुरुष महिलाएं भी शोक में जाने के लिए नए-नए वस्त्रों का चयन करने से खुद को रोक नहीं पातीं । उनका भी आधुनिक हृदय चटक-पटक वस्त्र पहनने के लिए खूब मचलता है। शोक में श्वेत वस्त्र उनके हृदय को ऐसे खटकता है, जैसे इस संसार से उनका जाने का कोई इरादा न हो। रंग-बिरंगे आधुनिक वस्त्रों को धारण करने से शोक का माहौल रंगीनियत में परिवर्तित करने की जैसे मुहिम छिड़ी हुई है। परिवर्तन ही शाश्वत नियम है। अब लिपस्टिक ओठों पर न लगी हो, आंखों पर काला चश्मा न हो तो शोक वाले घर में आधुनिकता का ढोल कैसे पिटेगा। वैसे भी जाने वाला तो चला गया। उसको देखने आने वाले लोग अपने अपने तरीके से आएंगे और जाएंगे।

जब तक अर्थी शमशान घाट तक का सफर तय नहीं कर लेती, तब तक दुनियादारी की सारी बातें शोक सभा में ही बातों का टारगेट पूरा करके दम लेंगी।

अपने अनोखे तौर तरीकों से शोक सभा में बातचीत करने की कला का प्रदर्शन भी करेंगे। ऐसे प्रदर्शनों से लोगों की बड़े पैमाने पर सहभागिता भी रहेगी। जब तक अर्थी शमशान घाट तक का सफर तय नहीं कर लेती, तब तक दुनियादारी की सारी बातें शोक सभा में ही बातों का टारगेट पूरा करके दम लेंगी। यह तय और सुनिश्चित है।

कुछ हटकर

बैचलर इन फैशन डिजाइन के क्षेत्र में बनाएं करियर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन फैशन डिजाइन (बी.डिज़ाइन फैशन डिजाइन) चार वर्षीय रचनात्मक एवं व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को फैशन, परिधान निर्माण, स्टाइलिंग, डिजाइन सौंदर्यशास्त्र और फैशन उद्योग की व्यावहारिक समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः फैशन इलस्ट्रेशन, टेक्सटाइल डिजाइन, गारमेंट कंस्ट्रक्शन, पैटर्न मेकिंग, फैशन स्टाइलिंग, फैशन मर्चेंडाइजिंग, फैशन मार्केटिंग, कॉस्ट्यूम डिजाइन, विजुअल मर्चेंडाइजिंग, कंप्यूटर एडेड डिजाइन (CAD) और फैशन फोरकास्टिंग जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। इन विषयों का वास्तविक जीवन और उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। फैशन डिजाइन केवल कपड़ों की डिजाइनिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व, संस्कृति, ट्रेंड, ब्रांडिंग और लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। टेक्सटाइल एवं गारमेंट डिजाइन फैशन उत्पादों की गुणवत्ता और आकर्षण को बढ़ाते हैं।

विशेषज्ञताएं

- फैशन डिजाइन
- टेक्सटाइल डिजाइन
- फैशन स्टाइलिंग
- फैशन कम्युनिकेशन
- कॉस्ट्यूम डिजाइन
- लक्जरी एवं लाइफस्टाइल डिजाइन
- फैशन मर्चेंडाइजिंग
- विजुअल मर्चेंडाइजिंग
- एक्सेसरी एवं ज्वेलरी डिजाइन
- फैशन मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग
- सस्टेनेबल फैशन डिजाइन
- डिजिटल फैशन एवं फैशन टेक्नोलॉजी

आवश्यक कौशल

- फैशन स्केचिंग एवं इलस्ट्रेशन कौशल
- डिजाइन सॉफ्टवेयर की समझ
- रंग संयोजन एवं फैब्रिक चयन की जानकारी
- ट्रेंड एनालिसिस व फैशन फोरकास्टिंग क्षमता
- गारमेंट निर्माण एवं पैटर्न मेकिंग की समझ होना

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- टेक्सटाइल एवं हस्तशिल्प विभाग
- डिजाइन एवं शिक्षा संस्थान
- पॉलिटेक्निक एवं डिजाइन संस्थानों में व्याख्याता

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशर: लगभग ₹3.5–₹7.0 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹8–₹18 लाख वार्षिक; विभिन्न सरकारी परियोजनाओं एवं परामर्श भूमिकाओं में अतिरिक्त अवसर उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

फैशन एवं लाइफस्टाइल उद्योग आज विश्व के सबसे बड़े रचनात्मक एवं रोजगार-उन्मुख क्षेत्रों में से एक है। फैशन ब्रांड्स, डिजाइन स्टूडियो, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, मीडिया हाउस और लक्जरी उद्योग ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में रहते हैं जो रचनात्मकता और व्यावसायिक समझ के साथ कार्य कर सकें।

उच्च अध्ययन के विकल्प

- मास्टर ऑफ डिजाइन (एम.डिजाइन)
- एम.बी.ए. फैशन मैनेजमेंट
- पी.जी. कार्यक्रम इन फैशन स्टाइलिंग एवं लक्जरी ब्रांडिंग
- टेक्सटाइल एवं सरफेस डिजाइन में विशेषज्ञता

अधिक जानकारी के लिए **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

सुविधा के दौर में संघर्ष का महत्व

आज का समय अभूतपूर्व सुविधाओं का समय है। एक क्लिक पर भोजन घर पहुंच जाता है, मोबाइल फोन पर दुनिया भर की जानकारी उपलब्ध है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकों ने जीवन को पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। सुविधाएं मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए हैं, लेकिन इनके बीच एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उभर रहा है, क्या सुविधा की अधिकता हमें संघर्ष से दूर कर रही है? हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां होती हैं।

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

पहले संसाधनों की कमी थी, आज विकल्पों की अधिकता है। पहले लोगों को अवसर खोजने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, आज अवसर हमारी स्क्रीन पर दिखाई देते हैं। लेकिन एक बात तब भी सत्य थी और आज भी है, स्थायी सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। सफलता का मार्ग आज भी मेहनत, धैर्य, अनुशासन और संघर्ष से होकर ही गुजरता है।वर्तमान समय में कई युवा त्वरित सफलता की अपेक्षा रखते हैं। सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली उपलब्धियां, कुछ महीनों में प्रसिद्धि पाने की कहानियां और रातों-रात सफल होने की धारणा कई बार युवाओं को वास्तविकता से दूर ले जाती है। वे सफलता का परिणाम देखते हैं, लेकिन उसके पीछे वर्षों का परिश्रम, असफलताएं और संघर्ष नहीं देख पाते। यही कारण है कि छोटी असफलता भी कई युवाओं को निराश कर देती है। वास्तव में संघर्ष केवल कठिनाइयों का नाम नहीं है। संघर्ष वह प्रक्रिया है जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को मजबूत बनाती है। जब हम चुनौतियों का सामना करते हैं, तब हमारे भीतर धैर्य, आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और समस्या-समाधान की योग्यता विकसित होती है। जीवन की कठिन परिस्थितियां हमें वह सिखाती हैं, जो अक्सर किताबें नहीं सिखा पातीं। इतिहास गवाह है कि अधिकांश सफल व्यक्तियों ने संघर्ष का सामना किया है। संघर्ष का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है, असफलताओं को स्वीकार करना।

आज की दुनिया में तकनीक बदल सकती है, अवसर बदल सकते हैं और काम करने के तरीके बदल सकते हैं, लेकिन संघर्ष का महत्व कभी कम नहीं होगा। सुविधा हमें गति दे सकती है, लेकिन संघर्ष हमें क्षमता देता है। सुविधा रास्ता आसान बनाती है, जबकि संघर्ष व्यक्ति को मजबूत बनाता है। अंततः जीवन में वही लोग आगे बढ़ते हैं जो चुनौतियों से घबराते नहीं, बल्कि उन्हें सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मानते हैं। इसलिए युवाओं को सुविधा का लाभ अवश्य लेना चाहिए, लेकिन संघर्ष से दूरी नहीं बनानी चाहिए। क्योंकि चरित्र सुविधा से नहीं, बल्कि संघर्ष से बनता है। और मजबूत चरित्र ही स्थायी सफलता की सबसे बड़ी नींव है।

लघु कथा

उधार की जुबान

मंच पर आज वो कुछ ज़्यादा ही चमका था।
विरोधी पर हमला करते-करते सीधे उसकी बहन तक उतर आया था।
भीड़ खिलखिला रही थी—जैसे किसी का अपमान नहीं, कोई मज़ाक चल रहा हो।
तालियां... सीटी... ठहाके ...और वो- गर्व से भरा हुआ।

डॉ. अंजना गर्ग
कहानीकार

मंच से उतरते वक्त उसने सोचा—"आज तो खेल कर दिया..."
घर पहुंचा—तो बाहर ही "खेल" चल रहा था।
पड़ोसी उसकी पत्नी से उलझा हुआ था,
बेटी रो रही थी...
और फिर—
"तुम्हारी बेटी भी...!"
वही शब्द।
वही लहजा।
वही गंदगी।
नेता ठिठक गया।
"ज़ुबान संभालकर बात करो!" वो चीखा।
पड़ोसी हंसा—"अरे नेता जी, नाराज़ क्यों होते हैं?
ये ज़ुबान तो आपकी ही दी हुई है...बस आज उधार लौटाई है।"
आसपास खड़े लोग चुप थे- पर उनकी आंखों में वही तालियां बज रही थीं।
नेता के पास शब्द नहीं थे। पहली बार उसे अहसास हुआ
वो शब्द जो वो दूसरों की बेटियों के लिए बोलता रहा,
आज उसके अपने घर का दरवाज़ा खटखटा रहे है।
घुमंतू कहता हुआ ,आगे बढ़ गया
"शब्द कभी मरते नहीं...
बस वक्त आने परअपना पता बदल लेते हैं।"

खबर संक्षेप

जींद में रैली को लेकर लगाई ड्यूटियां

गोहाना। भाजपा बरोदा हलका कार्यकर्ताओं की बैठक बरोदा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी एवं बीएलए-1 प्रदीप सांगवान के शहर में जींद मार्ग मोड स्थित कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में 17 जून को जींद में आयोजित होने वाली भाजपा रैली की तैयारियों की समीक्षा की गई और कार्यकर्ताओं की ड्यूटियां लगाई गई। इस रैली को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे। प्रदीप सांगवान ने कहा कि 17 जुलाई को जींद की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित रैली ऐतिहासिक होगी। इस दौरान नरेंद्र मोदी हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। ट्रेन जींद से सोनीपत रेललार्ग पर चलेगी। उनके अनुसार यह रेलवे लाइन पूर्व सांसद स्व. किशन सिंह सांगवान के प्रयास से पास हुई थी। प्रदीप सांगवान ने एसआईआर के तहत सभी को अपने अपने बूथों पर वोट बनवाने का आग्रह किया।

संगठन ने विभिन्न किस्मों के रोपे 71 पौधे

गोहाना। समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को अपने गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अभियान के तहत पापड़ी, जामुन, अर्जुन, चम्पा और जंगली जलेबी के 71 पौधे रोपे। पौधारोपण नए बस अड्डे से रोहतक-पानीपत हाईवे तक मार्ग के डिवाइडर पर किया गया। पौधरोपण की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की। संगठन की टीम द्वारा नए पौधे रोपने के साथ पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई के बाद सिंचाई की की गई। संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने कहा कि फिलहाल पौधारोपण करने का अनुकूल समय है। पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाएं।

पेयजल पाइपलाइन लीक से परेशानी

गन्नौर। गांव गढ़ी केसरी में शिव मंदिर के पास पेयजल पाइपलाइन लीक होने से पिछले कई दिनों से गली में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। लगातार पानी बहने के कारण सड़क पर पानी जमा हो गया है, जिससे पेयजल व्यर्थ होने के साथ राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ रही है। जलभराव के चलते फिसलने का खतरा भी बना हुआ है। स लोगों का कहना है कि पाइपलाइन से लगातार पेयजल बहने के कारण पानी की बर्बादी हो रही है, वहीं सड़क भी क्षतिग्रस्त होने लगी है। पानी जमा रहने से मच्छरों के पनपने और बीमारियां फैलने की आशंका भी बढ़ गई है।

भरत तिवारी और मनीषा की हत्या के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

बादली के विधायक कुलदीप वत्स ने किया कैंडल मार्च का नेतृत्व

देश को बचाने के लिए पहले अंग्रेजों, अब गद्दारों से लड़ी जा रही लड़ाई : विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। सेक्टर-23 स्थित कम्युनिटी सेंटर से कैंडल मार्च एवं मशाल यात्रा निकालते विधायक कुलदीप वत्स व अन्य।

भरत तिवारी और मनीषा की हत्या मामले में परिजनों को न्याय दिलवाने के लिए रविवार को बादली के विधायक कुलदीप वत्स के नेतृत्व में शहरवासियों ने कैंडल मार्च एवं मशाल यात्रा निकाली। कैंडल मार्च की शुरुआत सेक्टर-23 स्थित कम्युनिटी सेंटर से की गई, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए तिरंगा चौक तक पहुंची। कैंडल मार्च एवं मशाल यात्रा में शहरवासियों ने भारत माता के जयकारे लगाए। इस दौरान विधायक कुलदीप वत्स ने शस्त्र, शास्त्र और संविधान का नारा देते हुए कहा कि भरत तिवारी की हत्या नहीं, उनकी शहादत हुई है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर भरत तिवारी की हत्या भ्रष्टाचार को दबाने के लिए की गई। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, तानाशाही, अपराध दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। प्रदेश की जनता में सरकार के खिलाफ लगातार विरोध बढ़ रहा है, आवाज उठाने वालों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कर उन्हें दबाने का प्रयास किया जा रहा है। लोकतंत्र का गला घोटने का कार्य किया जा रहा है। देश को बचाने के लिए पहले अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी जा रही थी, अब देश के गद्दारों से लड़ाई लड़ी जा रही है। राम के नाम पर राजनीति करने वाले आज राम के मंदिर में लूट कर रहे हैं। इस दौरान जिला पार्षद संजय बड़वासनी, निगम पार्षद राजेश मलिक, महिपाल, निगम पार्षद जयकुमार खत्री, निगम पार्षद अनुराग, निगम पार्षद नवीन शाहजहांपुर, सरपंच दीपक, अमित, सुमित, मुकेश शर्मा, अमनदीप शर्मा, जोगिंद्र आदि रहे।

रेप करने वाले दोषियों को फांसी देने की मांग

विधायक ने कहा कि झूठे नारे देकर सत्ता में आने वाले आज जमकर लूट मचा रहे हैं। प्रदेश व देश की जनता उनके दोगले चेहरे को पहचान चुकी है। उन्होंने गंगानगर में 13 वर्षीय बेटी के साथ रेप करने वाले दोषियों को फांसी देने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देने वालों के राज में बेटियों के साथ बलात्कार, हत्या, अपहरण सरेआम हो रहा है। आज बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, बेटियों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। भ्रष्टाचार, अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के कारण वह सरेआम अपराध कर रहे हैं।

टीटू धर्मशाला शिविर में 70 लोगों ने रक्तदान किया

गोहाना। शहर के मुगलपुरा स्थित टीटू धर्मशाला में रविवार को आयोजित शिविर में 70 नागरिकों ने रक्तदान किया। यह शिविर शुकराना गुरु महाराज के जन्मदिवस पर आयोजित हुआ। अध्यक्षता कृष्ण वसूजा ने की और संयोजन पंकज राहूजा का रहा। आयोजन समिति में राहुल डुडेजा, हरीश बडगुजर, जोनू मनचिंदा, पूजा गिरधर, रानी मल्होत्रा, गौरी चिंदा और सतेंद्र ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में शुकराना गुरु परिवार रक्तदाताओं में दीपक चिंदा, पिंकी, विजय आहुजा, स्मृति डुडेजा, नितिन चिंदा, आर्यन, नवनीत, लक्ष्य, गिरधर, राजन दुरेजा, शालू मल्होत्रा, सुरेन्द्र बड़ौक, जतिन और हिमांशु गाबा ने रक्तदान किया। विशेष रक्तदाताओं में पिता-पुत्र रविंद्र खासा और अंश खासा, इंद्रजीत राजपाल और मोनू राजपाल, दो दंपति जोड़े सुनील मदान और कंचन मदान, रामनिवास और दीपमाला, तीन सगे भाईयों में गौतम, जतिन और पवन, इनके पिता और चाचा नरेश और राजकुमार ने रक्तदान का पुण्य कमाया। इनके अलावा गोविंद चोपड़ा, चरणजीत कथूरिया, संजय खुराना, अश्विनी, रामबीर, जयदेव, कलीश मल्होत्रा, चिराग और गौरव ने रक्तदान किया।

हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक होगा 17 जुलाई का दिन: कृष्ण

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एशिया की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे : विधायक गहलावत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

राई हलका विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जींद पहुंचकर एशिया की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को जींद से सोनीपत रूट के लिए हरी झंडी दिखाएंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। 17 जुलाई का दिन हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक होगा। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि हाइड्रोजन तकनीक भविष्य की स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल तकनीक है। जींद से इस परियोजना की शुरुआत होना हरियाणा के लिए गर्व का विषय है। इससे प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी और आधुनिक रेलवे तकनीक के क्षेत्र में भारत एक नई उपलब्धि हासिल करेगा।कृष्णा गहलावत ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रस्तावित रैली को भी पर्यावरण संरक्षण की थीम पर आयोजित किया जा रहा है। यह रैली पूरी तरह इको-फ्रेंडली होगी। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि 17 जुलाई का कार्यक्रम जींद के लिए एक ऐतिहासिक अवसर होगा और बड़ी संख्या में लोग इस उपलब्धि के साक्षी बनेंगे। इस मौके पर पर पूर्व मार्केट कमेटी अध्यक्ष कुलदीप नांगल, विधायक के मीडिया योगेश कौशिक आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन बताया

विधायक कृष्णा गहलावत ने भाजपा कार्यकर्ताओं और आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि रैली में आने वाले लोग भी केवल साइकिल, बैटरी से चलने वाले वाहन अथवा सीएनजी वाहनों का ही उपयोग करें, ताकि पर्यावरण संरक्षण का संदेश पूरे देश में जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ उसी सोच का परिणाम है, जिससे प्रदूषण कम होगा और भविष्य में परिवहन व्यवस्था अधिक पर्यावरण अनुकूल बनेगी।

रोटरी क्लब का स्थापना दिवस और पदग्रहण समारोह उत्साह से मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। समारोह में डिस्ट्रिक गवर्नर का स्वागत करते सदस्य।

रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत अर्डेंट ने रोटरी वर्ष 2026-27 के स्थापना एवं पदग्रहण समारोह का आयोजन लैंडमार्क रिजॉर्ट में किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अमित स्वाति गुप्ता ने शिरकत की। उन्होंने क्लब की गवर्नर ऑफिशियल विजिट के साथ बोर्ड सदस्यों के साथ विभिन्न सेवा परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन प्रमोद मोना भूटानी, सचिव रोटेरियन सुनील भारती मनचंदा ने डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एवं उनकी टीम का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अमित स्वाति गुप्ता ने रोटरी वर्ष 2026-27 के लिए क्लब को विभिन्न सेवा परियोजनाओं, सदस्यता वृद्धि, रोटरी फाउंडेशन, युवा विकास तथा सामुदायिक सेवा से जुड़े महत्वपूर्ण लक्ष्य प्रदान किए। विश्वास व्यक्त किया कि क्लब अपनी समर्पित टीम एवं सेवा भावना के बल पर इन सभी लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करेगा। इसके बाद इस वर्ष क्लब से जुड़े नए सदस्यों के लिए औपचारिक पिनिंग समारोह आयोजित किया गया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने नए सदस्यों को रोटरी पिन पहनाकर उनका स्वागत किया।

जिले में संस्थाओं ने टीबी के 70 मरीज लिए गोद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। सेक्टर-15 स्थित जागृति धाम में मरीजों को पोषण आहार किट प्रदान करते संस्था के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में निक्षय मित्र योजना के तहत विभिन्न संस्थाओं ने अब तक 60 प्रतिशत टीबी मरीजों को गोद लिया है। इसी कड़ी में जनसेवा जागृति धाम ट्रस्ट की ओर से रविवार को टीबी के 70 मरीज गोद लिए गए। अभियान का उद्देश्य सिर्फ मरीजों का इलाज कराना नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर पोषण, मानसिक सहयोग और सामाजिक समर्थन देना है। ऐसे में सेक्टर-15 स्थित जागृति धाम परिसर में टीबी मरीजों को पोषण आहार किट वितरित की गई। बता दें कि जिले में टीबी मरीजों की कुल संख्या 2800 हैं, इनमें से अब तक 60 प्रतिशत मरीजों को विभिन्न संस्थाओं की ओर से गोद लिया गया है। इन मरीजों में से ज्यादातर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग शामिल हैं। सरकारी अस्पतालों से निशुल्क दवा मिलने के बावजूद, पौष्टिक और संतुलित खाने की कमी उनके जल्दी ठीक होने में रुकावट बन रही है। ऐसे मरीजों की देखरेख के लिए निक्षय मित्र प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। जिसके तहत टीबी मरीजों को गोद लिया जा रहा है। सरकारी अधिकारी, शिक्षक, डॉक्टर और साधन संपन्न लोग भी निक्षय मित्र बनकर ऐसे मरीजों को गोद लेकर उनकी सहायता कर सकते हैं। योजना के तहत मरीजों के खाने और दवा का खर्च उठाया जा सकता है। हमें अपने प्रोफेशनल कार्यों के साथ समाज में अलग तरह से योगदान के लिए इस नेक काम में आगे आना चाहिए।

बोले अधिकारी

निक्षय मित्र योजना के तहत टीबी मरीजों के पोषण को लेकर निक्षय मित्र बनाए जा रहे हैं। योजना के तहत अब तक 60 प्रतिशत टीबी मरीजों को विभिन्न संस्थाओं की ओर से गोद लिया जा चुका है। भविष्य में अन्य मरीजों की सहायता के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि संपूर्ण मरीजों को उचित सहयोग मिल सके।

डॉ. तरुण यादव, जिला क्षय रोग अधिकारी, सोनीपत

गोहाना। योग के माध्यम से मानसिक शांति का संदेश देते हुए आयोजक।

आवश्कताओं को सीमित कर दिखावे से दूर रहें : आर्य

गोहाना। सेक्टर-7 स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती पार्क में विश्व सादगी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में भारतीय परम्परा अनुसार सादा जीवन और उच्च विचार के सिद्धांत पर चलने का संदेश दिया गया। मार्गदर्शन आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी का रहा। मुख्य अतिथि समाजसेवी रामकरण आर्य ने कहा भारतीय संस्कृति सादा जीवन और उच्च विचार के सिद्धांत पर आधारित है। हमें हमारी प्राचीन भारतीय परम्परा सिखाती है कि जीवन का सच्चा आनंद बाहर की चकाचौंध में नहीं बल्कि आंतरिक संतुष्टि में है। राष्ट्रीय सादगी जीवन का अर्थ अपनी आवश्यकताओं को सीमित करके दिखावे से दूर रहना है। यह जीवन शैली मानसिक तनाव कम करती है, आर्थिक स्वतंत्रता लाती है और हमें प्रकृति व अपनों के साथ जुड़ने का सच्चा सुख देती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता योगाचार्य डॉ. सुरेश सैनी ने की। उन्होंने कहा भौतिक चीजों से हटकर जब मनुष्य सादगी अपनाता है तो वह अपना कीमती समय दोस्तों, परिवार और समाज को दे पाता है। यह जीवन शैली हमें विनम्र, अनुशासित और आत्मनिर्भर बनाती है। इस मौके पर अशोक आर्य, धर्मपाल आर्य, सुरेश पंवार, सुरेश धीमान, रणधीर राठी, जगदीश पटवा, राममेहर नरवाल, कृष्ण लाल पांचाल, राजेंद्र रोहिल्ला, सूबेदार प्रताप सिंह, रतन सिंह, मूर्ति देवी, वीरमति व पुष्पा रानी मौजूद रहे।

- सेक्टर-7 स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती पार्क में विश्व सादगी दिवस मनाया

संकीर्तन में हरि से बड़ा हरि का नाम भजन सुनाकर माहौल को बनाया भक्तिमय

हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल किया श्री हरि का गुणगान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। सेक्टर-15 में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकालते इस्कॉन प्रचार समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

इस्कॉन प्रचार समिति की ओर रविवार को सेक्टर-15 में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल श्री हरि गुणगान किया गया। प्रभातफेरी की शुरुआत सेक्टर-15 में हाउस नंबर 302 सुरेंद्र गुप्ता के आवास से तुलसी पूजन व दीपदान के साथ की गई। तत्पश्चात प्रभातफेरी सेक्टर-15 की विभिन्न गलियों से होते हुए वापस सुरेंद्र गुप्ता के आवास पर हरिनाम संकीर्तन के साथ संपन्न हुई। मार्ग में इस्कॉन प्रचार समिति के सदस्यों ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। जगह-जगह भक्तों ने हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी का स्वागत किया।

हरिनाम संकीर्तन में रघु कुमार दास ने हरिनाम के हीरे मोती, हरी से बड़ा हरि का नाम का जैसे भजन सुनाकर माहौल को भक्तिमय बनाया। सहदेव प्राण दास ने भी भजन सुनाकर श्रद्धालुओं का मन मोहा। साथ ही हरिनाम की महिमा के बारे में विस्तार से बताया गया। रघु कुमार दास ने बताया कि गुड़ मंडी स्थित अग्रवाल धर्मशाला में 27 सितंबर से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर प्रभातफेरी के दौरान प्रचार-प्रसाद भी किया गया, ताकि क्षेत्रवासी कथा में पहुंचकर प्रभु नाम का स्मरण कर सकें। संकीर्तन में कृष्ण कृपा दास, दामोदर दास, भागवत तत्व दास, शांत नरसिंह दास, धर्मदास, बृज नारद दास, सुप्रसाद हरिदास, सीए कृष्ण कुमार गर्ग, प्रोफेसर जयभगवान, इंस्पेक्टर सुंदर सिंह, जयप्रकाश, श्याम सिंह रावत, चंद्रेश, वंदना, लक्ष्मी, सुखबीर सिंह झांझरिया, अशोक ग्रोवर मौजूद रहे।

सोनीपत। सोनीपत की सिक्का कालोनी स्थित सिद्ध शिव मंदिर में रामकथा के दौरान मौजूद श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

प्रभु श्रीराम-सुग्रीव की मित्रता का प्रसंग अत्यंत प्रेरणादायक : ओमप्रकाश अरोड़ा

सोनीपत। श्री राम परिवार, सोनीपत की ओर से रविवार को सिक्का कालोनी स्थित सिद्ध शिव मंदिर में श्री सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन एवं रामकथा का आयोजन किया गया। आध्यात्मिक कार्यक्रम में मीनू बजाज ने अपने पति की पुण्य स्मृति पर सहयोग दिया। रामकथा में ओमप्रकाश अरोड़ा ने श्रीरामचरितमानस के अंतर्गत किष्किन्धा कांड का वर्णन सुनाया। ओमप्रकाश अरोड़ा ने बताया कि प्रभु श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता, बालि वध का प्रसंग अत्यंत प्रेरणादायक है। सीता माता की खोज के दौरान हनुमानजी ने प्रभु श्रीराम की सुग्रीव से भेंट कराई। सुग्रीव ने अपने भाई बालि के अत्याचारों और अपनी पत्नी के अपहरण की व्यथा सुनाई। इसके बाद श्रीराम और सुग्रीव ने अग्नि को साक्षी मानकर एक-दूसरे के सुख-दुख के साथी बनने का प्रण लिया। सुग्रीव को निर्भय करने के लिए श्रीराम ने बालि के महान बल का प्रमाण मांगा, जिसे उन्होंने पलभर में सिद्ध कर दिया। बालि ने प्रभु के चरणों में अपने पुत्र अंगद को सौंपा। श्रीराम की आज्ञा से सुग्रीव को किष्किन्धा का राजा बनाया गया। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान शाम रहेजा, सूरजकांत, ललित बत्रा, महेश पांडे, अशोक भुटानी, मुकेश आनंद, मेहरचंद, महेश, रामनिवास, राजन मनचंदा, अश्विनी, विजय, धीरज, भूषण मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

सोनीपत। सेक्टर-23 में पौधरोपण करते जनहित अभियान फाउंडेशन के सदस्य।

पर्यावरण संरक्षण के लिए किया पौधरोपण

सोनीपत। जनहित अभियान फाउंडेशन की ओर से सेक्टर-23 की ग्रीन बेल्ट में पौधरोपण अभियान चलाकर 10 पौधे रोपे गए। इस दौरान फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि आज की मुहिम में फलदार व छायादार, बेलगिरी, आंवला, नीम के 10 पौधे रोपे गए। उन्होंने लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए सभी से निवेदन किया कि वह बारिश के मौसम में अधिक से अधिक पौधे लगाएं, ताकि शहर को हरा-भरा बनाया जा सके। इस दौरान कुलदीप देशवाल, पूर्ण सिंह, साइकिल मेन अरुण मलिक, संदीप लांबा, रविंद्र हुड्डा, विकास मौजूद रहे।

खरखौदा। एसआईआर की जानकारी देते जिला सचिव प्रदीप सरोहा।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए करवाएं पंजीकरण

खरखौदा। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रवीण दहिया ने डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम के अंतर्गत विभिन्न संस्थानों में पहुंचकर प्रशिक्षण से संबंधित प्रमाण-पत्र डाउनलोड करवाए तथा प्रशिक्षण के उद्देश्य, महत्व एवं इसकी प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही एसआईआर अभियान के तहत मतदाताओं को जागरूक करते हुए उन्हें व उनके परिवारजनों को इस अभियान का महत्व समझाया। जिला सचिव प्रमोद सरोहा ने उपस्थित लोगों को बताया कि प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में सही एवं समय पर पंजीकरण लोकतंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी रोहित शर्मा, जिला उपाध्यक्ष मिथुन तिवारी आदि उपस्थित रहे।

मेयर के साथ मिलकर चलाया सफाई अभियान

सोनीपत। शहर में सामाजिक कार्यकर्ताओं की स्वच्छता के प्रति जागरूकता की मुहिम धीरे-धीरे रंग लाने लगी है। लगातार दूसरे रविवार को भी कार्यकर्ताओं ने शहर के मॉडल टाउन स्थित मित्तल नर्सिंग होम से दीपक मंदिर चौक तक कूड़े के ढेर उठाकर दूषित पानी के जलभराव को झाड़ू लगाकर साफ किया। साथ ही रुकी हुई नालियों को खोलने का कार्य कर श्रमदान किया। सामाजिक कार्यकर्ता अपने घरों से ही झाड़ू, फावड़ा, पेड़ की टहनी काटने वाले औजार, कूड़ा उठाने के लिए तसले, पल्ली साथ लेकर आए। सभी ने अलग-अलग जगहों पर सफाई की। सड़कों पर पड़ा कूड़ा अपने हाथों से उठाने में परहेज नहीं किया। नगर निगम मेयर राजीव जैन की पहल पर शुरू हुई मुहिम के पीछे का उद्देश्य शहरवासियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना है। मेयर ने रात 11 बजे मशीन मंगवाकर निकासी के प्रबंध करवाकर समस्या का समाधान करवाया।

पुराने भवन में रेनोवेशन कार्य जारी, एक्सीलेटर व लिफ्ट का काम जल्द पूरा करने के निर्देश

सोनीपत स्टेशन पर स्वतंत्रता दिवस से पहले नए फुट ओवरब्रिज की सौगात देने की तैयारी

प्रत्येक प्लेटफार्म पर गोलाकार में लगाए जा रहे शेड, पिल्लर खड़े करने का काम पूरा, धूप और बारिश से मिलेगी निजात

रोजाना दिल्ली-अंबाला व गोहाना-जींद रूट पर करीब 40 हजार यात्री करते हैं ट्रेनों से आवागमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस से पहले निर्माणाधीन नए फुट ओवरब्रिज (एफओबी) का काम पूरा कर जिलावासियों को समर्पित कर सौगात देने का निर्णय लिया गया है। उच्च अधिकारियों ने रेलवे स्टेशन पर चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले निर्माणाधीन नए एफओबी को पूरा करवाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा पुराने भवन में चल रहा रेनोवेशन कार्य, नए फुट ओवरब्रिज का निर्माण, एक्सीलेटर व लिफ्ट जैसी सुविधाओं में तेजी लाने की बात कही गई है। सोनीपत स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन परियोजना के तहत प्रथम चरण में नवीनीकरण के कार्यों पर 29 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा रही है। बता दें कि यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर निर्माणाधीन नए फुट ओवरब्रिज के अलावा पुराने भवन में चल रहे रेनोवेशन संबंधी कार्य अंतिम चरण में हैं। इसके बाद मुख्य प्रवेश द्वार के दोनों ओर भवन एक समान नजर आएंगे। भवन में मरम्मत संबंधी कार्य करवाकर छोटी-मोटी कमियों को दूर कर इसे नया रूप दिया जाएगा, ताकि स्टेशन के सौंदर्यीकरण को बढ़ावा मिल सके। साथ ही नए फुट ओवरब्रिज का निर्माण भी अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। साथ ही प्रत्येक प्लेटफार्म पर एक्सीलेटर का काम भी शुरू हो चुका है। जिसके लिए एक्सीलेटर बेंगलुरु से मंगवाए गए हैं। लिफ्ट लगाने के साथ उन्हें इंटीरियर डिजाइन से सजाया जा रहा है। बिजली संबंधी कार्य भी एक साथ चल रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस से पहले यात्रियों को रेलवे स्टेशन पर नए फुट ओवरब्रिज की सौगात मिल सकती है। नए फुट ओवरब्रिज का निर्माण पूरा करने की जिम्मेदारी जालंधर की कंपनी को सौंपी गई है।

सोनीपत। स्टेशन पर तैयार किया गया नया फुट ओवरब्रिज।

सिटी पल्स

एफओबी को आधुनिक सुविधाओं सहित तैयार करवाने का उद्देश्य

प्रदेश में ए ग्रेड श्रेणी में शामिल सोनीपत स्टेशन पर फिलहाल एकल फुट ओवरब्रिज होने से ट्रेनों के ठहराव के समय यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए अमृत भारत स्टेशन परियोजना के तहत सोनीपत स्टेशन पर एक और 12 मीटर चौड़े फुट ओवरब्रिज के निर्माण पर करीब 4.50 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा रही है। इस राशि में बिजली संबंधी कार्यों सहित फुट ओवरब्रिज पर शेड लगाने का काम पूरा हो चुका है। अब लिफ्ट व एक्सीलेटर लगाने के एक साथ कार्य प्रगति पर हैं। नए फुट ओवरब्रिज से यात्री प्लेटफार्म नंबर एक से सभी प्लेटफार्म पर आसानी से पहुंच सकेंगे। साथ ही फुट ओवरब्रिज की सीढ़ियां को दूसरे प्रवेश द्वार की तरफ उतारा जाएगा।

एक दशक में रेल यात्रियों की संख्या में 40 प्रतिशत इजाफा

सोनीपत स्टेशन से रोजाना दिल्ली-अंबाला व गोहाना-जींद रूट पर करीब 40 हजार यात्री आवागमन करते हैं। स्टेशन पर एक दशक में रेल यात्रियों की संख्या में करीब 40 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है। यात्रियों की आधुनिक सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोनीपत स्टेशन पर 6 अगस्त 2023 को वर्चुअल माध्यम से पुनर्विकास की आधारशिला रखी थी। रेलवे स्टेशन पर आधुनिकता के हिसाब से नवीनीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही प्रत्येक प्लेटफार्म पर नई तरह के शेड लगाने का काम जारी है।

प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर सहित कई सुविधाओं का किया जा रहा विस्तार

सोनीपत स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन परियोजना के तहत आवश्यकतानुसार भवन, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर व अन्य कई सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। योजना के तहत यात्रियों के लिए एक और नए फुट ओवरब्रिज का निर्माण करवाया गया है। एजेंसी को लिफ्ट व एक्सीलेटर लगाने के साथ जल्द काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे यात्रियों को स्टेशन पर जल्द बेहतर आधुनिक सुविधाएं मिल सकेंगी।

-पुष्पेश रमण त्रिपाठी, रेल प्रबंधक (डीआरएम), दिल्ली मंडल

रेलवे स्टेशन प्रदेश में बनाएगा अपनी पहचान

सोनीपत स्टेशन का किया जा रहा नवीनीकरण यात्रियों के लिए सौगात भरा रहेगा। यात्रियों को स्टेशन पर अनेक आधुनिक सुविधाएं मिलने से लाभ होगा। विकास कार्यों के बाद जिले का रेलवे स्टेशन प्रदेश में अपनी पहचान बनाएगा।

बिजेंद्र कुमार, गांव जुआं

अधिकारियों को कार्यों को जल्द पूरा करवाना चाहिए

सरकार व रेलवे का यह सराहनीय कदम है। यात्रियों की पुरानी मांगों को पूरा करने के साथ आधुनिक सुविधाओं पर ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों को चल रहे कार्यों को जल्द पूरा करवाना चाहिए। इससे सोनीपत स्टेशन की अलग छवि नजर आएगी।

-अनिल गुलिया, मयूर विहार

न्यूज डायरी

मानसिक एवं शारीरिक रूप से अस्वस्थ व दिव्यांगजनों को भोजन किया वितरित

गन्नौर। रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर रॉयल की ओर से रविवार को गांव दतौली स्थित देवों संस्था में मानसिक एवं शारीरिक रूप से अस्वस्थ और दिव्यांगजनों के लिए भोजन वितरण सेवा प्रकल्प का आयोजन किया गया। क्लब के सदस्यों ने संस्था में रह रहे लोगों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया। क्लब के प्रधान नितिन जैन ने बताया कि जरूरतमंदों की सेवा करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है और इसी उद्देश्य से क्लब विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों का संचालन कर रहा है। क्लब के सचिव गौरव जैन ने कहा कि भविष्य में भी क्लब की ओर से ऐसे सामाजिक और सेवा कार्य निरंतर आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर क्लब के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व प्रधान अजय त्यागी, सचिन वधवा, सचिन जैन, अंकित गोयल, विनय जिंदल, श्वेत मित्तल, संदीप वर्मा, अनिल जैन सहित अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में भाग लिया। संस्था प्रबंधन ने क्लब के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

एशियन अंडर-15 चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता निशा मोर का किया सम्मान

गन्नौर। थाईलैंड में आयोजित एशियन अंडर-15 कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर देश, प्रदेश और गांव लड़सौली का नाम रोशन करने वाली होनहार पहलवान निशा मोर के सम्मान में गांव लड़सौली स्थित कुश्ती अकादमी में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गन्नौर हलके के विधायक देवेंद्र कादियान ने शिरकत की। प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने समारोह में शिरकत कर निशा मोर को उनकी शानदार उपलब्धि पर शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि निशा मोर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर गन्नौर क्षेत्र, हरियाणा और देश का नाम रोशन किया है। कोच कुलवीर राणा ने बताया कि निशा मोर का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। कांस्य पदक के मुकाबले में निशा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चाइनीज ताइपे की पहलवान को हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया और भारत का तिरंगा अंतरराष्ट्रीय मंच पर लहराया। समारोह के दौरान निशा मोर को फूल मालाएं पहनाकर, स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर पूर्व सरपंच संजय, गुलाब पलवान, राज नंबरदार, चांद पहलवान, अजीत मोर, रामकुमार मोर, महिन्द्र मास्टर, रणबीर मोर, करतार मोर, सुमित अत्री आदि मौजूद थे।

व्यक्ति का व्यवहार उसके व्यक्तित्व का आईना : उधम सिंह

गोहाना। व्यक्ति का व्यवहार उसके व्यक्तित्व, उसकी सोच और संस्कारों का आईना होता है। हमें जीवन में तरक्की करने के लिए अपने व्यवहार को समाजोपयोगी बनाने की जरूरत होती है। ये विचार गांव कटवाल स्थित सरस्वती विद्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य उधम सिंह वशिष्ठ ने व्यक्त किए। वे विद्यार्थियों को व्यवहारकुशल बनने के लिए प्रेरित कर रहे थे। प्राचार्य उधम सिंह वशिष्ठ ने कहा कि जिस प्रकार आईने में हम अपना असली रूप देखते हैं उसी प्रकार हमारा आचरण दूसरों के सामने हमारी असलियत को स्पष्ट कर देता है। यह व्यक्ति का व्यवहार ही होता है जो उसकी परवरिश और मूल्यों को दर्शाता है। उधम सिंह ने कहा कि व्यक्ति के अच्छे या बुरे आचरण और व्यवहार का बीजारोपण विद्यार्थी जीवन में ही होता है। प्राचार्य ने कहा कि जो आप कहते हैं उससे कहीं अधिक लोगों का ध्यान आपके व्यवहार पर होता है। क्योंकि आपकी भाषा का अनुवाद संभव है लेकिन किसी व्यक्ति को व्यवहार को समझने की जरूरत होती है।

खेलकूद स्पर्धा में गीता विद्या मंदिर के खिलाड़ियों ने झटके 106 पदक

गोहाना। गीता विद्या मंदिर, गोहाना के खिलाड़ियों ने संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 106 पदक जीत लिए। विद्यालय ने अपने पदक विजेता खिलाड़ियों को समारोहपूर्वक सम्मानित किया। 11 जुलाई को शिक्षा भारती विद्यालय, रोहतक में संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। खेल प्रतियोगिताओं में विद्यालय के 115 खिलाड़ियों ने प्रतिभागिता करके अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित की। इनमें 84 खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक, 21 ने रजत पदक और एक खिलाड़ी ने कांस्य पदक जीतकर अपना व अपने विद्यालय का नाम रोशन किया।

गोबर से लकड़ी बनाने की मशीन गोशाला को की भेंट

आत्मनिर्भरता व पर्यावरण संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा

खरखौदा। गोशाला को मशीन भेंट करते डी पी गोयल व अन्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

हलालपुर स्थित जय दादा देव गोवंश अस्पताल एवं संवर्धन संस्थान में केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त काउ जोन द्वारा निर्मित गोबर से लकड़ी बनाने की मशीन रूटेक्स स्मार्ट विलेज सेंटर, मंडोरा चेयरमैन डी.पी. गोयल द्वारा गोशाला को भेंट की गई। उक्त जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस मशीन के माध्यम से गोशाला में उपलब्ध गोबर से पर्यावरण - अनुकूल लकड़ियां तैयार की जाएँगी, जिन्हें हवन, धार्मिक अनुष्ठानों तथा अन्य दैनिक कार्यों में उपयोग किया जा सकेगा। इन लकड़ियों की बिक्री से गौशाला को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, जिससे गौवंश के पालन-पोषण एवं संरक्षण के कार्यों को और अधिक मजबूती मिलेगी। बता दें कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। गोबर से निर्मित लकड़ियों के उपयोग से वायु प्रदूषण में कमी आएगी तथा वातावरण को स्वच्छ और शुद्ध बनाए रखने में सहायता मिलेगी। साथ ही गोशाला में उपलब्ध लगभग 75 प्रतिशत गोबर, जो सामान्यतः अनुपयोगी रह जाता है, उसका सदुपयोग सुनिश्चित होगा।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने किया बाबा लखीशाह बंजारा की प्रतिमा का अनावरण

समाज की एकता व संस्कृति के संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

मुरथल स्थित आरके कॉलोनी में रविवार को बंजारा विकास महासभा सोसायटी की ओर से परम पूज्य बाबा लखीशाह बंजारा की जयंती धूमधाम से किया गया। समारोह में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने बाबा लखीशाह बंजारा की प्रतिमा का अनावरण किया। समाज के लोगों ने भाग लेकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। समारोह को संबोधित करते हुए मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि बाबा लखीशाह बंजारा का जीवन त्याग, सेवा और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक रहा है। उनके आदर्श आज भी समाज को एकता, भाईचारे और मानव सेवा की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि महापुरुषों के जीवन से नई पीढ़ी को परिचित कराना समय की आवश्यकता है, ताकि युवा अपनी संस्कृति और विरासत से जुड़े रहें। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार सभी वर्गों के सम्मान और समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। समाज के महापुरुषों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष, राजकुमार कटारिया, सोनीपत मार्केट कमेटी अध्यक्ष अरुण चौहान, अजय राठौड़ तथा विनोद त्यागी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का आयोजकों ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

होनहार बेटियों के सम्मान में 13 को होगा सम्मान समारोह

गन्नौर। जैन गर्ल्स पीजी कॉलेज, गन्नौर में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं के सम्मान में 13 जुलाई को होनहार बेटी सम्मान समारोह एवं एमडीयू टॉपर गौरव यात्रा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर महाविद्यालय प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में गन्नौर के विधायक देवेंद्र कादियान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि संस्था प्रधान आनंद जैन विशिष्ट रूप से उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही एमडीयू टॉपर छात्राओं के सम्मान में गौरव यात्रा भी निकाली जाएगी।

तार चोरी मामले में दूसरा आरोपित काबू

गन्नौर। क्राइम यूनिट गन्नौर की पुलिस ने गांव मुरथल स्थित एक कंपनी के स्टोर से इंसुलेटेड केबल कंडक्टर और पुराने तार चोरी करने के मामले में दूसरे आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित राजकुमार गांव चाकोरी, जिला अमरोहा, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार एबीआई एनर्जी सोल्यूशन लिमिटेड के एजीएम ने 30 दिसंबर 2025 को थाना मुरथल में शिकायत दी थी कि कंपनी के स्टोर के आडिट में 52 एक्सएलपीई इंसुलेटेड केबल ड्रम, 15 किलोमीटर कंडक्टर और चार टन पुराना तार कम मिला।

राष्ट्रीय पेंचक सिलाट प्रतियोगिता में प्रताप स्कूल के गौतम ने जीता रजत पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

मेघालय की राजधानी शिलांग में 6 से 8 जुलाई तक आयोजित 14 वीं सीनियर राष्ट्रीय पेंचक सिलाट चैंपियनशिप में प्रताप सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खरखौदा के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के खिलाड़ी गौतम ने 90-95 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर विद्यालय और प्रदेश का गौरव बढ़ाया। वहीं स्कूल के कुणाल राठी (45-50 किग्रा), अभिषेक (75-80 किग्रा), अनीकेत (80-85 किग्रा), सनी (तुंगल स्पर्धा) तथा दिवश दीपेंद्र अग्रहरी (80-85 किग्रा) ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता से लौटने पर विद्यालय परिसर में खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर द्रोणाचार्य अवार्डी एवं खेल निदेशक ओम प्रकाश दहिया, संस्थापक सतप्रकाश दहिया, शैक्षणिक निदेशक डॉ. सुबोध दहिया तथा कोच जगमेंद्र पंचाल ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

धर्म-कर्म नौ दुर्गा स्वरूप के साथ-साथ दस महाविद्याओं की भी विशेष पूजा का रहेगा प्रावधान

पूजा-अर्चना से साधकों एवं श्रद्धालुओं को जीवन में सकारात्मक ऊर्जा की होगी प्राप्ति

15 जुलाई को प्रारंभ होंगे गुप्त नवरात्र, देवी आराधना से शीघ्र होगी फल की प्राप्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सनातन धर्म में नवरात्रों का विशेष धार्मिक व आध्यात्मिक महत्व माना गया है। यह समय शक्ति की उपासना, साधना और आत्मशुद्धि के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है। वर्ष में चार नवरात्र आते हैं। इनमें दो सामान्य और दो गुप्त नवरात्र शामिल हैं। गुप्त नवरात्र विशेष रूप से तांत्रिक साधना, देवी के रहस्यमयी स्वरूपों की आराधना और गहन साधना के लिए प्रसिद्ध हैं। माना जाता है कि इस अवधि में की गई पूजा-अर्चना व साधना श्रद्धालुओं को शीघ्र फल प्रदान करती है। साधक को देवी शक्ति की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

23 जुलाई को नवमी तिथि के दिन होगा समापन

आचार्य डॉ.मनमोहन मिश्रा ने बताया कि आषाढ़ माह में आने वाले गुप्त नवरात्र भी इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह नवरात्र आषाढ़ शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से प्रारंभ होकर नवमी तिथि तक मनाए जाते हैं। आषाढ़ गुप्त नवरात्र 2026 में आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा तिथि 14 जुलाई दोपहर से प्रारंभ होकर 15 जुलाई की सुबह तक रहेगी। इसी आधार पर 15 जुलाई को गुप्त नवरात्र के प्रारंभ में घटस्थापना की जाएगी। इसी दिन से नवरात्र का आरंभ माना जाएगा। यह नवरात्र पर्व 23 जुलाई को नवमी तिथि के दिन संपन्न होंगे। इस दौरान नौ दुर्गा स्वरूप के साथ-साथ दस महाविद्याओं की भी विशेष पूजा का प्रावधान रहेगा। इससे साधक एवं श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक उन्नति, जीवन में सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होगी। गुप्त नवरात्र में इस वर्ष चतुर्थी व पंचमी 18 जुलाई को एक दिन, जबकि नवमी तिथि 22 व 23 जुलाई दो तिथियों में रहेगी।

आचार्य डॉ. मनमोहन मिश्रा।

घटस्थापना के दिन कई महत्वपूर्ण शुभ योग बन रहे

घटस्थापना मुहूर्त

उदयातिथि के अनुसार घटस्थापना का शुभ समय 15 जुलाई सुबह 6:01 बजे से 10:17 बजे तक रहेगा। घटस्थापना के दिन कई महत्वपूर्ण शुभ योग भी बन रहे हैं। ब्रह्म मुहूर्त: अलसुबह 4:32 से सुबह 5:16 तक, अमृत काल: शाम 4 बजे से 5:27 बजे तक, विजय मुहूर्त दोपहर 2:34 बजे से दोपहर 3:25 बजे तक रहेगा।

मां के किस शक्ति स्वरूप की किस दिन होगी पूजा

15 जुलाई (प्रतिपदा) : शैलपुत्री
16 जुलाई (द्वितीया) : ब्रह्मचारिणी
17 जुलाई (तृतीया) : चंद्रघंटा
18 जुलाई (चतुर्थी/पंचमी) : कूष्मांडा व स्कंदमाता
19 जुलाई (षष्ठी) : कात्यायनी
20 जुलाई (सप्तमी) : कालरात्रि
21 जुलाई (अष्टमी) : महागौरी
22 व 23 जुलाई (नवमी) : सिद्धिदात्री